निधियों से सम्पर्क बनाये हुए हैं। कुछ माल गाड़ियों में डीजल रेल इंजन लगा कर खंडवा के रास्ते संचलन-क्षमता भी बढ़ायी जा रही है।

(ग) रतलाम स्टेशन पर वर्तमान यानान्तरण सुविधा सामान्यरूप में होने वाले यतायात को सम्हालने के लिए पर्याप्त समझी जाती है।

रतलाम स्टेशन में माल की ढुलाई

2075. डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन मे रतलाम स्टेशन पर माल की ढुलाई के लिए बाहर से आ रहे माल को उतारने और इसे अन्य रेलगाडियो मे चढाने के लिए बहुत कम स्थान है,

(ख) क्या मध्य प्रदेश के मकामौर से आनें वाली सीमेंट, जो मीटर गेज पर विभिन्न स्टेशनो को भेजी जानी थी, वहां सैकडों किलोमीटर अधिक का लम्बा मार्ग तय करके बरास्ता साबरमती विलम्ब मे पहुंची थी ; और

(ग) यदि हा, तो इस कठिनाई को दूर करने के लिए क्या उपाय किये गये है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) जी नही।

(ख) जी हा, कभी कभी, कार्यभार को बराबर बाटने के उद्देश्य से एक यानान्तरण स्थल के लिए भेजे गये माल-डिब्बों और दूसरे यानातरण स्थलों के जरिये भेज दिया जाता है।

Conversion of Rajkot-Veraval line into Broad Gauge line

2076 SHRI DHARMASINBHAI PATEL. Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state·

(a) whether Gujarat Government have made any request to the Central Government for conversion of Rajkot-Veraval metre gauge line into broad gauge line and if so, when it was made; and

(b) the action taken so far and proposed to be taken by Central Government in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) No request appears to have been received from Gujarat Government for conversion of Rajkot-Veraval metre gauge line into broad gauge line although some representations have been received from other parties in Gujarat.

(b) The question of gauge conversion of Rajkot-Veraval line can be considered only after the gauge conversion of Viramgam-Rajkot-Okha/Porbandar section which is in hand gets completed.